रॉल्स का न्याय सिद्धांत :→

रॉल्स के न्याय का स्रोत :→ रॉल्स का सिद्धांत प्रक्रिया पर आधारित परिणाम निरपेक्ष है। जिसमें अमेरिका के हार्वर्ड बल दिया गया है। रॉल्स, अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर थे। रॉल्स का न्याय, कांट के आदर्शवादी विचारों पर आधारित है। रॉल्स का प्रसिद्ध कथन है: "आत्मन साध्य से पहले है," (The self is prior its ends) जो कांट की मान्यता "व्यक्ति, स्वयं में साध्य है," से प्रभावित है। रॉल्स ने व्यक्ति की गरिमा का अत्यधिक महत्वपूर्ण माना है। रॉल्स ने समाज में पारस्परिक लाभ के लिए सहयोगात्मक चेष्टा की संकल्पना की।

रॉल्स के न्याय का आधार :→ रॉल्स का न्याय कांट के आदर्शवादी सिद्धांतों से प्रभावित है। उसने कांट की इस मान्यता को स्वीकार किया कि "व्यक्ति स्वयं में साध्य है," इसलिए इन्होंने कहा कि "आत्मन साध्य से पहले है," अतः रॉल्स के लिए प्रत्येक व्यक्ति का महत्व समान है। रॉल्स ने बेंथम के न्याय के मूल आधार को अस्वीकृत कर दिया। बेंथम ने "अधिकतम व्यक्तियों के अधिकतम सुख" को ही न्याय का मूल आधार माना था। बेंथम ने उपयोगितावादी न्याय का समर्थन किया, जिसका रॉल्स ने खंडन किया।

रॉल्स के न्याय सिद्धांत की मूल विशेषताएँ:

रॉल्स ने न्याय सिद्धांत अपनी प्रसिद्ध रचना "A Theory of Justice" (1971) में दिया। रॉल्स ने न्याय को 'फेयरनेस' कहते हैं। रॉल्स ने "Justice as Fairness: A Restatement" (2001) नामक रचना लिखी। रॉल्स के अनुसार 'न्याय समाज का सबसे मुख्य और प्राथमिक गुण है,"

Scanned with OKEN Scanner

रॉल्स ने न्याय को 'Maximine Principle' भी कहा है। रॉल्स का न्याय सिद्धांत, "विभेदों के नियम" पर आधारित है।
. रॉल्स की न्याय की संकल्पना, शुद्ध प्रक्रियात्मक है।
. रॉल्स के न्याय सिद्धांत को 'आच्छादित एकता' (Overlapping consensus) का सिद्धांत भी कहा जाता है।
. रॉल्स के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति की न्याय पर संस्थापित अनुल्लंघनीयता होती है, अपनी विशिष्ट मान्यता होती है। इसका निर्धारण बहुमत नहीं करेगा।
. रॉल्स ने अपने न्याय सिद्धांत में निम्नलिखित बिंदुओं को क्रमिक रूप में स्वीकार किया —
(i) सभी को समान स्वतंत्रता का अधिकार
(ii) अवसर की समानता
(iii) विभेद का नियम

रॉल्स के न्याय सिद्धांत का निर्माण :→
. रॉल्स ने न्याय सिद्धांत का निर्माण करने के लिए 'सामाजिक समझौते' और 'अज्ञान के पर्दे' का सहारा लिया।
. 'अज्ञान के पर्दे' से आशय, व्यक्ति को समाज में अपनी वर्तमान स्थिति का पता नहीं तथा व्यक्ति का भी पता नहीं है।
. व्यक्ति अपने लाभ को बढ़ाना चाहता है तथा व्यक्ति दूसरे के प्रति ईर्ष्या नहीं रखते हैं।
. रॉल्स का समझौता, तार्किक व्यक्तियों का समझौता है। व्यक्ति तार्किक के साथ नैतिक भी हैं।
. व्यक्ति निःस्वार्थ भाव से समझौता करते हैं।
. व्यक्ति सर्वाधिक सुरक्षित मार्ग का चयन करता है वह समझौते में जोखिम भरे मार्ग का चयन नहीं करता है।
. न्याय, तार्किक चयन का परिणाम है।
. रॉल्स का न्याय, उदारवादी लोकतांत्रिक व्यवस्था की पृष्ठभूमि में है।

Scanned with OKEN Scanner